



हिन्दी सप्ताहिक
श्रम शिखर

सकारात्मक- सूचनात्मक उपयोगी समाचार

श्रम शिखर

✉ shramshikhar@gmail.com
📞 shram shikhar
🌐 shramshikhar.co.in
📠 shramshikhar.in

प्रथम प्रकाशन 2 अक्टूबर 1981
डाक पंजीकरण संख्या-मेरठ 153-2025-2027
RNI No. UPHIN/2009/31760

श्रीकृष्ण भवन 283, वैस्टर्न कचहरी रोड, (अपोजिट शिवलोक कॉम्प्लेक्स) मेरठ। फोन: 0121-2641338

ई-पेपर के लिए क्लिक करें वर्ष 18, अंक 23, विक्रम संवत् 2083 ज्येष्ठ शुक्ल अष्टमी चतुर्दशी तक 22 जून सोमवार से 28 जून रविवार 2026 तक कुलपृष्ठ 08 मूल्य ₹ 08

ध्यान का अर्थ समझ लें। ध्यान का अर्थ है, मन की ऐसी अवस्था जहां कोई तरंग नहीं है। निस्तरंग चौतन्य में ही समझ का जन्म होता है।

यह निस्तरंग चौतन्य कई तरह से पैदा हो सकता है। किसी को प्रार्थना से पैदा हो सकता है। किसी को पूजा से पैदा हो सकता है। किसी को नृत्य से, कीर्तन से पैदा हो सकता है। किसी को सुनने से पैदा हो सकता है। किसी को देखने से पैदा हो सकता है। किसी को मात्र बैठने से पैदा हो सकता है। किसी को योग की क्रियाओं से पैदा हो सकता है। किसी को तंत्र की क्रियाओं से पैदा हो सकता है।

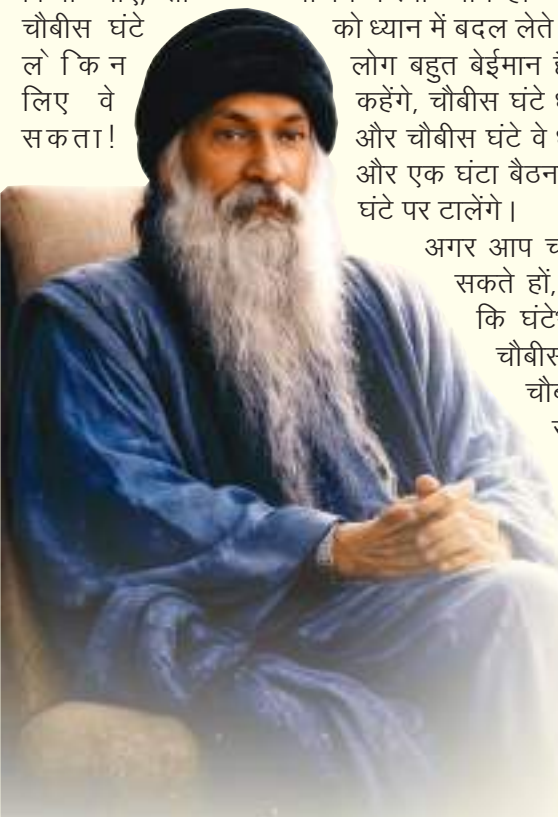
निस्तरंग चित्त बहुत तरह से पैदा हो सकता है। और जिस तरह से आपको पैदा होता है, जरूरी नहीं है कि दूसरे को भी उसी तरह से पैदा हो। तो आपको खोजना पड़ेगा कि कैसे निस्तरंग चित्त पैदा हो! निस्तरंग चित्त का नाम ही ध्यान है। तरंगावित्त चित्त का नाम मन है। वह जो उथलकूपुथल से भरा हुआ मन है, उसमें कोई भी समझ पैदा नहीं हो सकती। क्योंकि वहां इतना भूकंप चल रहा है कि कोई बीज थिर नहीं हो सकता। अंकुरित होने के लिए अवसर ही नहीं है। इसलिए ध्यान पर इतना जोर है।

और अगर आप सोचते हों कि कृष्णमूर्ति का ध्यान पर जोर नहीं है, तो आप समझे ही नहीं। ध्यान शब्द का वे उपयोग नहीं करते हैं, क्योंकि उनको ऐसा खयाल है कि ध्यान शब्द बहुत विकृत हो गया है। लेकिन कोई शब्द विकृत नहीं होते। और केवल नए शब्द चुन लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता है।

कृष्णमूर्ति कहते हैं कि मुझे सुनते समय सिर्फ सुनो!

वह ध्यान हो गया। कोई भी किया करते वक्त अगर सिर्फ क्रिया की जाए और उसके संबंध में सोचा न जाए, तो ध्यान हो जाएगा। चलते वक्त अगर केवल चला जाए और कुछ भी मन में न करने दिया जाए तो ध्यान हो जाएगा। भोजन करते वक्त अगर भोजन किया जाए और मन में उसके संबंध में कोई चिंतन न किया जाए, तो भोजन करना ध्यान हो जाएगा। अगर आप अपने चौबीस घंटे को ध्यान में बदल लेते हैं, तो बहुत अच्छा है।

लेकिन लोग बहुत बेईमान हैं। एक घंटा न बैठने के कहेंगे, चौबीस घंटे ध्यान क्यों नहीं किया जा और चौबीस घंटे वे ध्यान करने वाले नहीं हैं। और एक घंटा बैठना न पड़े, इसलिए चौबीस घंटे पर टालेंगे।



अगर आप चौबीस घंटे ही ध्यान कर सकते हों, तो कौन आपको कहेगा कि घंटेभर करिए! आप मजे से चौबीस घंटे करिए। लेकिन चौबीस घंटे आप कर नहीं रहे हैं। और कर रहे होते, तो यहां मेरे पास पूछने को नहीं आना पड़ता।

क्या जरूरत है मेरे पास आने की? ध्यान नहीं है, इसलिए कहीं जाना पड़ता है, सुनना पड़ता है, समझना पड़ता है। ध्यान हो तो

आपके भीतर ही पौधा खिल जाएगा। आपके पास दूसरे लोग आने लगेंगे। आपको जाने की जरूरत नहीं होगी। अपनी समझ आ जाए, तो फिर किसी से क्या समझना है!

लेकिन आदमी का मन ऐसा है कि अगर कहो कि घंटेभर बैठो, तो वह कहेगा, घंटेभर बैठने की क्या जरूरत है? चौबीस घंटे ध्यान नहीं किया जा सकता!

मजे से करिए, लेकिन कम से कम घंटे से शुरू तो करिए। एक घंटा भी ध्यान करना मुश्किल है। चौबीस घंटा तो बहुत मुश्किल है। जब ध्यान करने बैठेंगे, तब पता चलेगा कि एक क्षण को भी ध्यान हो जाए तो बहुत बड़ी घटना है। क्योंकि मन चलता ही रहता है। तो उचित है कि एक घंटा निकाल लें चौबीस घंटे में से अलग ध्यान के लिए ही, और अनुभव करें। जिस दिन एक घंटे में आपको लगे कि सधने लगी बात, घटने लगी बात, चौबीस घंटे पर फैला दें। फैलाना तो चौबीस घंटे पर ही है। क्योंकि जब तक जीवन पूरा ध्यानमय न हो जाए तब तक कोई क्रांति न होगी। लेकिन शुरुआत कहीं से करनी पड़ेगी।

और फिर एक घंटे ध्यान का परिणाम चौबीस घंटे पर होता है। ठीक वैसे ही जैसे एक घंटा कोई सुबह व्यायाम कर लेता है, तो चौबीस घंटे का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। और आप यह नहीं कहते कि चौबीस ही घंटे व्यायाम क्यों न किया जाए! करें, तो ठीक है। जो आदमी चौबीस घंटे व्यायाम कर रहा है, उसको एक घंटे व्यायाम करने की कोई जरूरत भी नहीं है। जो चौबीस घंटे श्रम में लगा हुआ है, उसे और व्यायाम की क्या जरूरत है? कोई जरूरत नहीं है। लेकिन जो व्यायाम नहीं कर रहा है, उसे घंटेभर भी कर लेने से चौबीस घंटे पर परिणाम होगा।

ध्यान के लिए एक घंटा निकाल लेना इसलिए उपयोगी है कि आप उस समय को पूरा का पूरा ही ध्यान में नियोजित कर सकते हैं। एक दफा कला आ जाए तो उस कला का उपयोग आप चौबीस घंटे कर सकते हैं। ध्यान एक कला है। फिर आप जो भी आप करें, वह ध्यानपूर्वक कर सकते हैं। और तब अलग से ध्यान करने की कोई जरूरत नहीं रह जाती।

गीता दर्शन भाग 6 प्रवचन 161
भगवान रजनीश

DIGITAL AWARENESS PROGR

OUTDOOR

PRINT

EVENT PROMOTIONS

SIGNAGE

POINT OF PURCHASE

FILM

DIGITAL MEDIA

MEDIA INTERNATIONAL



R.R. ADVERTISING SERVICE

Shri Krishan Bhawan, 283, Western Kutcheri Road, Meerut-250001 (U.P.) PH.: 0121-2641338, 9690331338
Web: rradvertisingmeerut.com, E-mail: rradvertisingmeerut@gmail.com

COMFORT HEARING Chamber Available for Doctor

मूर्ति हियरिंग ऐड सेन्टर

100% COMPUTERIZED DIGITAL HEARING AID

Behind the Ear (BTE)

Completely in the Canal (CIC)

Receiver in the Ear (RIC)

निकट कचहरी पुल, 229, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ।
(जिला सहकारी बैंक के बराबर वाली गली के अन्दर)
M-7017397893, 9837169137
गली के अन्दर...

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान

हिन्दी सप्ताहिक
श्रम शिखर
www.shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

Meerut
City Classified

EDUCATION

शिक्षा कार्य- शिक्षा संबन्धित जानकारीयों और विभिन्न कोर्सों के विज्ञापन हेतु आवश्यकता/उपलब्धता

सम्पादकीय

उत्तर प्रदेश के परिवहन विभाग की ओर से समाचार पढ़ने में आया कि विभाग सड़क सुरक्षा के लिए ग्राम प्रधानों इसमें भागीदारी बना रहा है

इस वर्ष जून के मध्य उत्तर प्रदेश के परिवहन विभाग की ओर से समाचार पढ़ने में आया कि विभाग सड़क सुरक्षा के लिए ग्राम प्रधानों इसमें भागीदारी बना रहा है प्रदेश के ग्राम पंचायतों में से जिन ग्राम प्रधान के प्रधानों से सड़क सुरक्षा के हादसे कमी आती हैं और लोग सुरक्षा नियमों का पालन शुरू करते हैं तो उन्हें जिला जिला स्टारिय कार्यक्रम में समनित कर कर सड़क सुरक्षा आशुतोष की उपाधि से नवाजा जाएगा

क्या उड़की अनुपालन आशुतोष प्रदेश के ग्राम प्रधानों पत्र में स्वीकारा गया में 70: प्रतिषत मामले के उल्लंघन के विभाग का मनाना है वहां लापरवाही प्रधानों की भागीदारी सकती है चंतपऔद कि सड़क हादसे में इसके प्रति जन मनन का के लिए जन भागीदारी ग्राम प्रधानों के प्रति ग्रामीण जन के लोगों को बेहतर तरीके से समझा जाए समझा बुझा कर सड़क हादसे की गंभीरता वह उसके परिणमन से संगरा अधिक बेहतर का नियम का पालन व लापरवाही से सुरक्षित यतयात के लिए प्रेरित कर कर सकते हैं

सद्भावना समिति वरिष्ठ नागरिक फोरम उत्तर प्रदेश परिवहन
विभाग के इस महत्व सड़क हादसा में काम के लिए ग्रामीण स्तर पर भागीदारी कराकर ग्राम प्रधानों को सम्मनित करने के प्रयास से प्रभावित प्रभावित करने का प्रयास किया फोरम का मनना मन है कि यह प्रयास के लिए है नियमति समय जब ग्राम प्रधान प्रतिनिधि न रहकरएक प्रसन्न रूप से स्थिर ग्राम जन प्रतिनिधि में है ग्राम प्रधानों सदस्यों के चुनाव प्रचारित है तब ग्राम प्रधानों को पत्र भेज कर इस तरह का सहयोग विश्वास की अपेक्षा सड़क सुरक्षा एच हादसा में कमी के लिए अब तक यह जाने वाले प्रयास अधिक स्थिरता में काम खाना पूर्ति में अधिक रहना उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग का यह प्रयास अधिक लगता है

फोरम का मानना है कि उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग व्यापक रूप से ग्राम प्रधानों वह ग्राम वासियों का सड़क हादसे में काम के लिए सहयोग पाना चाहता है तो वह अपने विभाग के लोगो इस को इस ग्राम प्रधानों विशेष रूप से सड़क किनारे मुख्य मार्गों को ग्राम ग्रामीणवासी प्रधान वी सदस्या से सम्पर्क कर उन्हें लपरवाही नियमों के संबंध बताय अनके उनके ग्रामीण हादसे के कारण जानकर उन्हें समस्या का समाधान करा द्य परिवहन विभागों के लोगों के संपर्क दिखाएँ या खन्ना पूसद्भावना समिति वरिष्ठ नागरिक फोरम उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के इस महत्व सड़क हादसा में काम के लिए ग्रामीण स्तर पर भागीदारी कराकर ग्राम प्रधानों को सम्मनित करने के प्रयास से प्रभावित प्रभावित करने का प्रयास किया फोरम का मनना मन है कि यह प्रयास के लिए है नियमति समय जब ग्राम प्रधान प्रतिनिधि न रहकरएक प्रसन्न रूप से स्थिर ग्राम जन प्रतिनिधि में है ग्राम प्रधानों सदस्यों के चुनाव प्रचारित है तब ग्राम प्रधानों को पत्र भेज कर इस तरह का सहयोग विश्वास की अपेक्षा सड़क सुरक्षा एच हादसा में कमी के लिए अब तक यह जाने वाले प्रयास अधिक स्थिरता में काम खाना पूर्ति में अधिक रहना उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग का यह प्रयास अधिक लगता है फोरम का मानना है कि उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग व्यापक रूप से ग्राम प्रधानों वह ग्राम वासियों का सड़क हादसे में काम के लिए सहयोग पाना चाहता है तो वह अपने विभाग के लोगो इस को इस ग्राम प्रधानों विशेष रूप से सड़क किनारे मुख्य मार्गों को ग्राम ग्रामीणवासी प्रधान वी सदस्या से सम्पर्क कर उन्हें लपरवाही नियमों के संबंध बताय अनके उनके ग्रामीण हादसे के कारण जानकर उन्हें समस्या का समाधान करा द्य परिवहन विभागों के लोगों के संपर्क दिखाएँ या खन्ना पूर्ति का एक बार बंद कमरे का ना होकर समय पूर्वक होते रहें पर ही ग्रामीण वासी उनके प्रतिनिधि सदस्य प्रधान बेहतर सड़क हादसा मुख्य कामी करने अनुभव मददगार हो सकते हैंति का एक बार बंद कमरे का ना होकर समय पूर्वक होते रहें पर ही ग्रामीण वासी उनके प्रतिनिधि सदस्य प्रधान बेहतर सड़क हादसा मुख्य कामी करने अनुभव मददगार हो सकते हैंबेहतर हो सड़क हादसे में कमी सुरक्षा लाने के प्रयास में सम्मान ग्राम प्रधानों तकसिमित ना रखवार इस प्रयास में इस ग्राम का कोई वासी सेवी ग्रामीण अन्य सदस्य भागीदारी प्रतिबंध प्रयास के समाधान में उल्लेखनिया प्रयास करने वालों को भी शामिल को बेहतर होगा।

एडवांस मल्टी स्पेशलिटी लैप्रोस्कोपी, यूरोलॉजी, लेजर सेंटर




DR ANUJ SHARMA
MS (General Surgery)
Consultant General & Laparoscopic Surgeon

सभी प्रमुख इंटरोटेस/टीपीए पेनल आयुस्जान भारत में कैथलेस सुविधा उपलब्ध केवल यूरोलॉजी एवं सर्जरी के लिए

- ✓ योग्य एवं अनुभवी डॉक्टरों द्वारा उपचार
- ✓ 24x7 आपातकालीन सेवाएं एवं ICU
- ✓ आधुनिक ऑपरेशन थिएटर में सुरक्षित सर्जरी

लैप्रोस्कोपिक एवं ओपन सर्जरी
छोटा टांका, जल्द रिकवरी

- ✓ पित्ताशय (गॉलब्लैडर) सर्जरी
- ✓ अपेंडिक्स सर्जरी
- ✓ हर्निया सर्जरी
- ✓ बवासीर / फिशर / फिस्टुला
- ✓ आंतों से संबंधित सर्जरी
- ✓ यूरोलॉजी सर्जरी (किडनी स्टोन, प्रोस्टेट आदि)

PREM HOSPITAL
& TEST TUBE BABY CENTRE MEERUT
NABH Accredited Healthcare Facility

निकट शॉपटिक्स मॉल, बिजली बम्बा बाईपास, मेरठ।
हेल्पलाइन :- 7080908010 @ www.premhospitals.com

MEERUT DELHI MUMBAI
FRIZZON
SERVICES PVT. LTD.
http://www.frizzonproductions.com
INVITING AMATEUR FILMMAKERS FROM SCHOOLS, COLLEGES, UNIVERSITIES, CITIZENS

SHORT FILM PRESENTATION

BASED ON THE THEME
Which You Want To See In The World
DURATION UPTO 3 MINUTE
Can Use Any Digital Camera To Record.

FRIZZON FILM
Send to Mail
shramshikhar@gmail.com
Selected Film be awarded &
Presented at
shramshikhar.com
sadbhawnaa.com

आपके मन की बात! व्यक्तिगत भी व्यक्तिगत भी
YouTube पर लाइव रहें!
आर.आर. एडवर्टाइजिंग सर्विसेस (ऑल मीडिया)
श्रीकृष्ण मदन, 283, वैस्टर्न कव्हेरी रोड, मेरठ- 250001
rras2012@gmail.com, 9219660359
सहयोगी: श्रम शिखर हिन्दी साप्ताहिक ई-पेपर पाने के लिए ई-पेपर लिखकर 9219660359 पर व्हाट्सएप या एसएमएस करें और लिंक पाएं।
यूट्यूब श्रम शिखर पर कार्यक्रम उपलब्ध

FOR
• Advertising (All Media)
• Tour & Travel (International)
• Film & Event

RR Group

Contact No. :
0121-2641338
9219660359

श्रम शिखर
To book this Space
innovative & advertising
Shri Krishan Bhawan, 283, Western Bhatary Road, Meerut-250001 (U.P.)
0121-2641338, 9660131338

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान

हिन्दी सप्ताहिक
श्रम शिखर
www.shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

Meerut
City Classified

+HEALTH+
स्वास्थ्य संबंधित जानकारी और विभिन्न रोगों के उपचार हेतु विज्ञापन आवश्यकता/उपलब्धता



आज और अभी से

नए मनुष्य का युग-दर्शन

भगवान रजनीश.....

डाइनैमिक मेडिटेशन कैम्पेन

(नीरव असीम 9219228529 आत्मो कामरान 8273548730) संयोजक:

मैं जैन घर में पैदा हुआ!

आज और अभी

नए मनुष्य का युग-दर्शन

मैं जैन घर में पैदा हुआ। तो बचपन में मुझे कभी रात्रि को भोजन करने का सवाल नहीं उठा। कोई करता ही न था घर में, इसलिए बात ही नहीं थी। मैं पहली दफा पिकनिक पर कुछ हिंदू मित्रों के साथ पहाड़ पर गया। उन्होंने दिन में खाना बनाने की कोई फिकर ही न की। मुझ अकेले के लिए कोई चिंता का कारण भी न था। मैं अपने लिए जोर दूँ यह भी ठीक न मालूम पड़ा।

रात उन्होंने भोजन बनाया। दिनभर पहाड़ का चढ़ाव, दिनभर की थकान, भयंकर मुझे भूख लगी। और रात उन्होंने खाना बनाया। उनके खाने की गंध, वह मुझे आज भी याद है। ऊपर-ऊपर मैंने हां-ना किया कि नहीं, रात कैसे खाना खाऊंगा, लेकिन भीतर तो चाहा कि वे समझा-बुझाकर किसी तरह खिला ही दें। उन्होंने समझा-बुझाकर खिला भी दिया। लेकिन मुझे तत्क्षण वमन हो गया, उलटी हो गई।

उस दिन तो मैंने यही समझा कि रात का खाना इतना पापपूर्ण है इसीलिए उलटी हो गई। लेकिन उनको तो किसी को भी न हुई। संस्कार की बात थी। कोई रात के खाने से संबंध न था। कभी खाना न था, और रात खाना पाप है, वह धारणाय तो किसी तरह खा तो लिया, लेकिन वह सब शरीर ने फेंक दिया, मन ने बाहर फेंक दिया। शील से इन घटनाओं का कोई संबंध नहीं है, मन की धारणाओं से संबंध है। तुम जो मानकर चलते हो, जो तुम्हारे विचार में बैठ गया है, उसके अनुकूल चलना आचरण है, उसके प्रतिकूल चलना दुराचरण है।

शील क्या है? शील है, जब तुम्हारे मन से सब विचार समाप्त हो जाते हैं और निर्विचार दशा उपलब्ध होती है, शुन्यभाव बनता है, ध्यान लगता है, उस ध्यान की दशा में तुम्हें जो ठीक मालूम होता है, वही करना शील है। और वैसा शील सारे जगत में एक सा होगा। उसमें कोई संस्कार के भेद नहीं होंगे, समाज के भेद नहीं होंगे।

चरित्र हिंदू का अलग होगा, मुसलमान का अलग होगा, ईसाई का अलग होगा, जैन का अलग होगा, सिक्ख का अलग होगा। शील सभी का एक होगा। शील वहां से आता है जहां न हिंदू जाता, न मुसलमान जाता, न ईसाई जाता। तुम्हारी गहनतम गहराई से, अछूती कुंवारी गहराई से, जहां किसी ने कभी कोई स्पर्श नहीं किया, जहा तुम अभी भी परमात्मा हो, वहां से शील आता है। जैसे अगर तुम थोड़ी सी जमीन खोदो तो ऊपर-ऊपर जो पानी मिलेगा वह तो पास की सड़कों से बहती हुई नालियों का पानी होगा, जो जमीन ने सोख लिया है-चरित्र। चरित्र होगा वह। फिर तुम गहरा कुआ खोदो, इतना गहरा कुआ खोदो जहा तक नालियों का पानी जा ही नहीं सकता, तब तुम्हें जलस्रोत मिलेंगे, वे सागर के हैं। तब तुम्हें शुद्ध जल मिलेगा।

अपने भीतर इतनी खुदाई करनी है कि विचार समाप्त हो जाएं, निर्विचार का तल मिल जाए। वहां से तुम्हारे जीवन को जो ज्योति मिलेगी वह शील की है। चरित्र में? कोई बड़ी सुगंध नहीं होती। चरित्र तो प्लास्टिक के फूल हैं, चिपका लिए ऊपर से, सज-धज गए श्रृंगार कर लिया। दूसरों को दिखाने के लिए अच्छे, लेकिन परमात्मा के सामने काम न पड़ेंगे। शील ऐसे फूल हैं जो तुमने चिपकाए नहीं, तुम्हारे भीतर लगे, उगे, उमगे, तुम्हारे भीतर से आए। जिनकी जड़ें तुम्हारे भीतर छिपी हैं। उन्हीं फूलों को तुम परमात्मा के सामने ले जाने में समर्थ हो सकोगे। जो समाज ने दिया है, वह मौत छीन लेगी। क्योंकि जो समाज ने दिया है, वह जन्म के बाद दिया है। उसे तुम मौत के आगे न ले जा सकोगे। जन्म और मौत के बीच ही उसकी संभावना है। लेकिन अगर शील का जन्म हो जाए तो उसका अर्थ है, तुमने वहां पाया अब जो जन्म के पहले था, जब तुम पैदा भी न हुए थे। उस शुद्ध चैतन्य से आ रहा है। अब मृत्यु के आगे भी ले जा सकोगे। जो जन्म के पहले है, वह मृत्यु के बाद भी साथ

जाएगा। शील को उपलब्ध कर लेना इस जगत की सबसे बड़ी क्रांति है। न जाने कौन है गुमराह कौन आगाहे-मजिल है, हजारों कारवां हैं जिंदगी की शाहराहों में

कौन है गुमराह-कौन भटका हुआ है? कौन आगाहे-मजिल है-और कौन है जिसे मजिल का पता है? हजारों यात्री दल हैं जिंदगी के राजपथ पर। तुम कैसे पहचानोगे? चरित्र के धोखे में मत आ जाना। दुश्चरित्र को तो छोड़ ही देना, चरित्रवान को भी छोड़ देना। शीलवान को खोजना।

ऐसा समझो। एक सूफी फकीर हज की यात्रा को गया। एक महीने का मार्ग था। उस फकीर और उसके शिष्यों ने तय किया कि एक महीने उपवास रखेंगे। पाच-सात दिन ही बीते थे कि एक गांव में पहुंचे, कि गांव के बाहर ही आए थे कि गांव के लोगों ने खबर की कि तुम्हारा एक भक्त गांव में रहता है, उसने अपना मकान, जमीन सब बेच दिया। गरीब आदमी है। तुम आ रहे हो, तुम्हारे स्वागत के लिए उसने पूरे गांव को आमंत्रित किया है भोजन के लिए।

सब बेच दिया है ताकि तुम्हारा ठीक से स्वागत कर सके। उसने बड़े मिष्ठान बनाए हैं। फकीर के शिष्यों ने कहा, यह कभी नहीं हो सकता, हम उपवासी हैं, हमने एक महीने का उपवास रखा है। हमने व्रत लिया है, व्रत नहीं टूट सकता। लेकिन फकीर कुछ भी न बोला।

जब वे गांव में आए और उस भक्त ने उनका स्वागत किया, और फकीर को भोजन के लिए निमंत्रित किया तो वह भोजन करने बैठ गया। शिष्य तो बड़े हैरान हुए कि यह किस तरह का गुरु है? जरा से भोजन के पीछे व्रत को तोड़ रहा है! भूल गया कसम, भूल गया प्रतिज्ञा कि एक महीने उपवास करेंगे। यह क्या मामला है? लेकिन जब गुरु ने ही इंकार नहीं किया तो शिष्य भी इंकार न कर सके। करना चाहते थे।

समारोह पूरा हुआ, रात जब विश्राम को गए तो शिष्यों ने गुरु को घेर लिया और कहा कि यह क्या है? क्या आप भूल गए? या आप पतित हो गए?

उस गुरु ने कहा, पागलो! प्रेम से बड़ी कहीं कोई तीर्थयात्रा है? और इसने इतने प्रेम से, अपनी सब जमीन-जायदाद बेचकर, सब लुटाकर-गरीब आदमी है-भोजन का आयोजन किया, उसे इंकार करना परमात्मा को ही इंकार करना हो जाता। क्योंकि प्रेम को इंकार करना परमात्मा को इंकार करना है। रही उपवास की बात, तो क्या फिकर है, सात दिन आगे कर लेंगे। एक महीने का उपवास करना है न? एक महीने का उपवास कर लेंगे। और अगर कोई दंड तुम सोचते हो, तो दंड भी जोड़ लो। एक महीने दस दिन का कर लेंगे। जल्दी क्या है? और मैं तुमसे कहता हूं कि तुम्हारी यह अकड़ कि हमने व्रत लिया है और हम अब भोजन न कर सकेंगे, अहंकार की अकड़ है। यह प्रेम की और धर्म की विनम्रता नहीं।

यहां फर्क तुम्हें समझ में आ सकता है। शिष्यों का तो केवल चरित्र है, गुरु का शील है। शील अपना मालिक है, वह होश से पैदा होता है। चरित्र अपना मालिक नहीं है, वह अंधानुकरण से पैदा होता है। जब कभी तुम्हें जीवन में कोई शीलवान आदमी मिल जाए, तो समझ लेना यही चरण पकड़ लेने जैसे हैं। चरित्रवान के धोखे में मत आ जाना, क्योंकि चरित्रवान तो सिर्फ ऊपर-ऊपर है। भीतर बिलकुल विपरीत चल रहा है।

फर्क कैसे करोगे? चरित्रवान को तुम हमेशा अकड़ा हुआ पाओगे। क्योंकि, इतना कर रहा हूं! तो अहंकार मजबूत होता है। चरित्रवान को तुम हमेशा तना हुआ पाओगे, तनाव से भरा पाओगे। क्योंकि कर रहा है, कर रहा है, कर रहा है। फल की अपेक्षा कर रहा है। शीलवान को तुम हमेशा विश्राम में पाओगे। शीलवान इसलिए नहीं कर रहा है कि आगे कुछ मिलने को है। शीलवान इसलिए कर रहा है कि करने में आनंद है। शीलवान को तुम प्रफुल्लित पाओगे। शीलवान अपनी तपश्चर्या की चर्चा न करेगा। अपने उत्सव के गीत गाएगा। शीलवान तुम्हें आनंदित मालूम पड़ेगा।



सकारात्मक-सूचनात्मक उपयोगी समाचार
प्रथम प्रकाशन 2 अक्टूबर 1981
E-Paper : shramshikhar.com
केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, उत्तर प्रदेश
विद्युत विभाग एवं भारतीय रेलवे से विज्ञापन
हेतु स्वीकृत डाक-पंजीकरण संख्या मेरठ
153-2025-2027
RNI No. UPHIN/2009/31760
साप्ताहिक अखबार श्रम शिखर,
श्रीकृष्ण भवन (अपोजिट शिवलोक कॉम्प्लेक्स),
283/1, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ
मो. 9219660359
प्रधान सम्पादक : सुनीता रानी 9897373736
प्रबन्धक : राकेश गुप्ता 9219660359
बिक्री प्रबन्धक : अश्विनी गुप्ता 9258402365
इंटरनेट प्रबन्धक : मेधा अग्रवाल 9219660359
संस्थापक : ब्रजभूषण 9457213164
कापूरी सलाहकार : दिनेश कुमार चतुर्वेदी
एडवोकेट : 0121-2760145, 9720171549
मार्केटिंग टीम : 9219660359, 9411990449
वरिष्ठ नागरिक संयोजक
श्री सुदेश चन्द शर्मा पुत्र पं. होराम शर्मा
245 खारी कुआं कोतवाली, मेरठ 8630180430
उ.प्र. ब्यूरो चीफ : अभिलाष गुप्ता 9412203620
प्रभारी दिल्ली एवं महाराष्ट्र : मंजरी गुप्ता, 42,
अनामिका अपार्टमेंट इन्द्रप्रस्थ विस्तार
पटपड़गंज, नई दिल्ली-92
202, बाहर बिल्डिंग, दूरदर्शन हाउसिंग सोसाइटी
गोकुल धाम, अंबेरी ईस्ट, मुम्बई-63

श्रम शिखर कार्यालय

मेरठ-श्रीकृष्ण भवन, 283, वैस्टर्न कचहरी रोड, मेरठ। (0121-2641338) सदभावना 68ए साईंपुरम, दिल्ली रोड, मेरठ। (9219660359)
उत्तराखण्ड-श्री राजेश कुमार गुप्ता, श्री ओम वैष्णव भोजनालय, 78 गांधी रोड, देहरादून (9411548998)
गजियाबाद-अमित कुमार, 705 सी टॉवर, सातवां तल, जी0एच0 1/1, सैक्टर 01, ग्रीन एक्सप्रेस, वैशाली गजियाबाद,उ0प्र0 09560115905, (09540018282), दिल्ली-राखी मित्तल-एफ-1, त्रिवेणी कॉम्प्लेक्स शेख सराय फेस-1, न्यू दिल्ली-110017 मो0 9868511922
हरियाणा-राखी मित्तल, रीचमण्ड पार्क डीएलएफ, फेस-4, गुडगांव हरियाणा। मो0 9868511922
मुजफ्फरनगर-विजय बुक स्टोर, मेन रोड, गांधी कॉलोनी, मुजफ्फरनगर। फोन: 9897185208, 9152911899
दिल्ली-Ankit Sisodia GF - 89, Kailash Hills, East of Kailash, New Delhi-110065 श्रीमती रंजीता गर्ग, बी-120, शॉप नं.5, पांडव नगर दिल्ली मो. 9911808555
लखनऊ-अजय श्रीवास्तव, 3/20, विकास नगर लखनऊ फोन. 9335208218, मुम्बई-अचल गुप्ता, बी-1603 सनटैक सिटी, गोरेगांव वेस्ट मुम्बई-63 मो. 9920939916
संरचना-महेश गुप्ता, न्यूज पेपर एजेन्ट मोहल्ला -गुजरान,संरचना, मेरठ ।
हैदराबाद श्रीमति नेहा गोयल प्लेट नं0 1207 गेमेड ब्लॉक "माई होम जैवल" मदीनागुड़ा हैदराबाद 500049

डाक पंजीकरण संख्या-मेरठ

153-2025-2027
RNI No. UPHIN/2009/31760
मालिक, प्रकाशक, मीना भूषण ने मुद्रक प्रिंटिंग - इम्प्रेसन्स प्रिंटिंग - पैकेजिंग लिमिटेड, 164/1, मोहकमपुर, दिल्ली रोड, मेरठ- 250002 से मुद्रित कराकर श्रीकृष्ण भवन, गली अपोजिट शिवलोक कॉम्प्लेक्स, 283, वैस्टर्न कचहरी रोड मेरठ से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुनीता रानी
प्रबन्धक: राकेश गुप्ता
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों एवं लेख के चयन एवं सम्पादन हेतु जी.आर.वी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तर दायी समस्त विवाद मेरठ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान

हिन्दी सप्ताहिक

श्रम शिखर

www.shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com

Meerut

City Classified

BUSINESS

व्यापार परिचय- अपने व्यापार का विज्ञापन प्रकाशित कराने हेतु आवश्यकता/उपलब्धता

MATRIMONIAL

वैवाहिक परिचय- वैवाहिक विज्ञापन में कार्य समूह और जन्मपत्री के साथ वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मिलान

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई कर करेत्तर, राजस्व संग्रह तथा राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक अधिकारी कर-करेत्तर व राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति लाना करें सुनिश्चित-जिलाधिकारी

आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डा० वी०के० सिंह द्वारा कर-करेत्तर, राजस्व संग्रह तथा राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी द्वारा आबकारी, स्टाम्प ड्यूटी, वाणिज्य कर, प्रवर्तन, खनन, परिवहन, वानिकी, मंडी, नगर पालिका एवं नगर पंचायत की कर करेत्तर, राजस्व संग्रह कार्यों की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि कर-करेत्तर व राजस्व वसूली के संबंध में संबंधित अधिकारी कार्यवाही करते हुये वसूली में अपेक्षित प्रगति लाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कर वसूली व राजस्व प्राप्ति के कार्यों में सक्रियता के साथ कार्यवाही की जाये।

विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि कहीं पर भी ढीले तार, क्षतिग्रस्त पोल, खराब/क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर, विद्युत ट्रीपिंग की समस्या न हो, आवश्यक कार्यवाही करते हुये दुरूस्त किये जाये।

बाट माप विभाग की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि प्रतिष्ठानों पर चैकिंग अभियान चलाया जाये तथा घटतौली पर सख्त कार्यवाही की जाये। समस्त विभाग लक्ष्य के अनुरूप कर, राजस्व प्राप्ति हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करें। राजस्व न्यायालयों में चल रहे राजस्व वादों की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि उनके निस्तारण में प्रगति सुनिश्चित की जाये। समस्त ईओ को निर्देशित किया गया कि नगर पंचायत/नगर पालिका में प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, सडक मरम्मत, पार्कों का सौन्दर्यीकरण इत्यादि कार्यों को प्राथमिकता पर कराते हुये शहर को साफ व स्वच्छ बनाया जाये।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी भूमि अध्यक्ष नवीन चन्द्र, समस्त ईओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, साकेत मेरठ में किया जा रहा मंडलीय रोजगार मेले का आयोजन-जिलाधिकारी



जिलाधिकारी डा० वी०के० सिंह ने बताया कि मिशन निदेशक, उ०प्र० कौशल विकास मिशन, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 17 जून 2026 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, साकेत मेरठ में मंडलीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मेरठ मंडल से आच्छादित जनपद मेरठ, बुलंदशहर, बागपत, हापुड, गाजियाबाद एवं गौतमबुद्धनगर के आईआईटी, उ०प्र० कौशल विकास मिशन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना से प्रशिक्षित एवं वर्तमान में असेवायोजित लगभग 5000 अभ्यर्थियों एवं 50 से अधिक प्रतिष्ठित नियोक्ता/कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

विकास भवन सभागार में राष्ट्रीय महिला आयोग की मा० अध्यक्ष की उपस्थिति में किया जा रहा महिला जनसुनवाई का आयोजन-जिला प्रोबेशन अधिकारी

जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग प्रत्येक महिला के सशक्तिकरण एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उनके विषयों को जमीनी स्तर पर संबोधित करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए, आयोग "राष्ट्रीय महिला आयोग-आपके द्वार" नामक एक जनसुनवाई का आयोजन कर रहा है। इस जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं से संबंधित लंबित मामलों का समाधान करना तथा यथासंभव सभी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना है।

यह जनसुनवाई विकास भवन सभागार, सिविल लाइन्स में आयोजित की जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर उपस्थित रहेंगी। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित इस जनसुनवाई में जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारिगण भी सक्रिय रूप से भाग लेंगे, जिससे महिलाओं से संबंधित मुद्दों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

राष्ट्रीय महिला आयोग मेरठ और आसपास के सभी शहरों की महिलाओं से यह आग्रह करता है कि यदि वे किसी भी प्रकार की समस्या से पीड़ित हैं तो इस जनसुनवाई में भाग लेकर अपनी समस्या आयोग तक पहुंचाएँ। आयोग आपकी प्रत्येक समस्या के समाधान को खोजने के लिए प्रयासरत रहेगा। सुनवाई में भाग लेने से संबंधित किसी भी जानकारी हेतु श्री मनमोहन (8219854762) से संपर्क किया जा सकता है।

जनपद न्यायालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी पुर्ननियुक्ति हेतु आवेदन-जिला न्यायाधीश

जिला न्यायाधीश मेरठ श्री अरविन्द कुमार मिश्रा-द्वितीय ने बताया कि मा० उच्च न्यायालय के परिपत्र के अनुपालन में जनपद न्यायालय मेरठ में अर्दली/पीयोन/ऑफिस पीयोन/फर्राश के 08 पद, चौकीदार/ वाटरमैन/ स्वीपर/माली/कूली भिश्ती एवं लिफ्टमैन के 04 पदों पर जनपद न्यायालय से सेवानिवृत्त कर्मचारीगण की पुर्ननियुक्ति हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र प्रशासनिक कार्यालय जिला न्यायाधीश मेरठ में प्राप्त किये जायेंगे। जो कर्मचारी दिनांक 30 जून 2026 तक सेवानिवृत्त हो रहे हैं वे भी पुर्ननियुक्ति हेतु आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त पदों पर पुर्ननियुक्त सेवानिवृत्त कर्मचारीगण का कार्यकाल, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नई नियुक्ति/पदोन्नति होने तक अथवा एक वर्ष के लिए जो भी न्यूनतम हो, तथा 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक की अवधि के लिए की जायेगी। अन्य जनपद न्यायालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने पिछले पांच वर्षों की चरित्र पंजिका की प्रविष्टि आवेदन पत्र के साथ संलग्न करेंगे।

Print | Outdoor | Electronic | Signage | Film | Event

Estd. 1979

RR ADVERTISING SERVICES

PH. 0121-2641338, 9412203620, 9219660360, Email- rradvertisingmeerut@gmail.com

रिश्ते से समाज परिवार देश बनते हैं, आत्मविकास शांति समृद्धि का मार्ग मिलता है।

FRIZZON
TRAVEL | EVENTS | FILMS

*Domestic/International, Cruise,
Car-Rental, Hotel, Flight*

**Time To
Travel
Get Ready**
For A New Adventure

booking@frizzontravel.com | www.frizzontravel.com
Ph. 0121-2641338, 8266023450

RUMBLE TUMBLE
PREMIUM INDOOR KIDS PLAY AREA

- KIDS BIRTHDAY PARTIES
- KITTY PARTIES
- SUMMER VACATION PACKAGES
- MULTICUISINE CAFE & RESTAURANT
- SOFT PLAY
- VR GAMES
- ARCADE GAMES

Come join us this summer for adventurous Playtime

RPG GALLERIA, SECOND FLOOR, POCKET G, MAIN DIVIDER ROAD,
GANGA NAGAR, MEERUT +91 92589 76510

भूतपूर्व सैनिक व वीर नाटियां व्यवसायिक केन्द्र आवंटन हेतु करें संपर्क-जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया कि उ०प्र० सैनिक पुनर्वास, निधि लखनऊ द्वारा इस कार्यालय परिसर में 01 व्यवसायिक केन्द्र (दुकान) जो खाली पड़ी हुई है, जिनका आवंटन भूतपूर्व सैनिक एवं उनकी विधवाओं (युद्ध में शहीद सैनिकों की पत्नियों/आश्रित, युद्ध में अपंग सैनिक जो अशक्त होने के कारण सेवा मुक्त हो, सैन्य सेवा के दौरान मृतक के आश्रित, सैन्य सेवा के दौरान अशका व सैन्य सेवा से अशक्तता के कारण सेवा मुक्त हो, सेना के पुरस्कार विजेता, पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित जो पुर्नयोजित न हो, तथा द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रितों को किया जायेगा जो आर्थिक रूप से दुकान चलाने में सक्षम हो।

आवंटी को रु० 10,000/- बतौर जमानत अग्रिम जमा करने होंगे, जिस पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। आवंटन होने के उपरान्त एक सप्ताह में जमानत राशि जमा करनी होगी अन्यथा आवंटन स्वयं निरस्त माना जायेगा। दुकानों के किराये का निर्धारण/संसोधन उ०प्र० सैनिक पुनर्वास निधि द्वारा गठित समिति द्वारा किया जायेगा

उन्होंने पूर्व सैनिक/विधवाओं को सूचित करते हुये बताया कि इच्छुक पात्र अपना आवेदन पत्र सैन्य अभिलेखों की छाया प्रतियों सहित सचिव कार्यालय उ०प्र० सैनिक पुनर्वास, निधि, राज्यपाल सचिवालय राजभवन लखनऊ को पंजीकृत डाक/स्वयं डाक द्वारा जमा करा दें अपूर्ण आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा अर्थात निरस्त कर दिये जायेगें।

निर्वाचक नामावली के अन्तिम प्रकाशन की सूचना

अपर जिलाधिकारी प्रशासन/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पं०) सत्य प्रकाश सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित करते हुये बताया कि तहसील मेरठ, मवाना व सरधना के अंतर्गत ग्राम पंचायत के समस्त प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के आलेख्य में संशोधन कर उत्तर प्रदेश पंचायत राज (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1994 के अनुसार निर्वाचक नामावली तैयार कर ली गई है और उक्त नामावली प्रकाशित कर दी गई है और नामावली की एक प्रति उनके कार्यालय/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/खंड विकास अधिकारी/ संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय में दिनांक 10 जून 2026 से निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

17 जून को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, साकेत मेरठ में किया जा रहा मंडलीय रोजगार मेले का आयोजन-जिलाधिकारी

जिलाधिकारी डा० वी०के० सिंह ने बताया कि मिशन निदेशक, उ०प्र० कौशल विकास मिशन, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 17 जून 2026 को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, साकेत मेरठ में मंडलीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें मेरठ मंडल से आच्छादित जनपद मेरठ, बुलंदशहर, बागपत, हापुड, गाजियाबाद एवं गौतमबुद्धनगर के आईआईटी, उ०प्र० कौशल विकास मिशन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना से प्रशिक्षित एवं वर्तमान में असेवायोजित लगभग 5000 अभ्यर्थियों एवं 50 से अधिक प्रतिष्ठित नियोक्ता/कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

इच्छाओं और जरूरतों का समाधान

हिन्दी साप्ताहिक **श्रम शिखर** **CITY CLASSIFIED** MEERUT

www.shramshikhar.in, shramshikhar@gmail.com



BUSINESS

व्यापार परिचय :- व्यापारिक विज्ञापन हेतु आवश्यकता/उपलब्धता

स्वास्थ्य संबन्धित जानकारी और विभिन्न रोगों के उपचार हेतु विज्ञापन आवश्यकता/उपलब्धता

विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई किसान दिवस बैठक

आज विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डा० वी०के० सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस बैठक आहूत की गई। बैठक में किसानों को विगत माह में आई कुल 56 शिकायतों को पढ़कर सुनाई गई। जिलाधिकारी द्वारा इनमें से कई शिकायतों की गुणवत्तापरक आख्या ना होने पर संबंधित विभाग को वापस कर दिया गया। किसानों द्वारा आज कुल 09 शिकायतें की गई, जिनको जिलाधिकारी के माध्यम से सभी संबंधित विभागों को भेजा जा रहा है। किसानों द्वारा बताया गया कि उनको डीजल पंप चलाने हेतु पेट्रोल पंप द्वारा कैन में डीजल नहीं दिया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा सभी किसानों को शिकायत का गुणवत्तापरक निस्तारण का आश्वासन दिया गया।

इस अवसर पर पीडीडीआरडीए सुनील कुमार सिंह, उप कृषि निदेशक नीलेश चौरसिया, जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी व किसान उपस्थित रहे।



ORAM
JEWELLERS

ORAM JEWELLERS

A collection that reflects your rich heritage with pride.

**GOLD | DIAMOND
PLATINUM | SILVER**

140C, GARH ROAD, NEAR NAI SARA, MEERUT PH. 9412046132